



बोलो हर हर हर

आग बहे तेरी रग में

तुझसा कहाँ कोई जग में

है वक्रत का तू ही तो पहला पहर

तू आँख जो खोले तो ढाए कहर

तो बोलो हर हर हर

तो बोलो हर हर हर

आदि ना अंत है उसका
वो सबका ना इनका उनका
वोही है माला, वोही है मनका
मस्त मलंग वो अपनी धुन का

अंतर मंतर तंतर जागी
है सर्वत्र के स्वाभिमानी
मृत्युंजय है महा विनाशी
ओमकार है इसी की वाणी
इसी की इसी की इसी की वाणी
इसी की इसी की इसी की वाणी

भांग धतुरा बेल का पत्ता
तीनो लोक इसी की सत्ता
विष पीकर भी अडिग अमर है
महादेव हर हर है जपता

वोही शून्य है वोही इकाई
वोही शून्य है वोही इकाई
वोही शून्य है वोही इकाई
जिसके भीतर बस्ता शिवा है

.... नागेन्द्र हराया त्रिलोचानाया
बस्मंगा रागाया महेस्वराया
निथ्याया शुधाया दिगम्बराया

तस्मै॑ नकाराया नमशिवाया
शिवा त्राहिमाम शिवा त्राहिमाम
शिवा त्राहिमाम शिवा त्राहिमाम
महादेव जी त्राहिमाम, शर्नागातम
तवं त्राहिमाम, शिवा रक्ष्यामम
शिवा रक्ष्यामम, शिवा त्राहिमाम

आँख मूँद कर देख रहा है
साथ समय के खेल रहा है
महादेव महा एकाकी
जिसके लिए जगत है झांकी
जटा में गंगा, चाँद मुकुट है
सोम्य कभी कभी बड़ा विकट है

आग से जलना है कैलाशी
शक्ति जिसकी दर्द की प्यासी
है प्यासी, हाँ प्यासी

राम भी उसका, रावन उसका
जीवन उसका मरण भी उसका
तांडव है और ध्यान भी वो है
अज्ञानी का ज्ञान भी वो है
आँख तीसरी जब ये खोले
हिले धरा और स्वर्ग भी डोले
गूँज उठे हर दिशा क्षितिज में
नंद उसी का बम बम भोले

वही शून्य है वोही इकाई
वही शून्य है वोही इकाई
वही शून्य है वोही इकाई
जिसके भीतर बसा शिवा है

तो बोलो हर हर हर...

जा कर विनाश जा जा के कैलाश
जा कर विनाश जा जा के कैलाश
तो बोलो हर हर हर

जा जा के कैलाश जा कर विनाश
जा जा के कैलाश जा कर विनाश
जा जा के कैलाश जा कर विनाश

यक्ष स्वरूपाया जट्टा धराय
पिनाका हस्ताथाया संथानाय
दिव्याया देवाया दिगम्बराय
तस्मै यकाराय नमः शिवाय

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य भजन

- [आज सोमवार है](#)
- [आज मंगलवार](#)
- [आज बुधवार है](#)
- [आज गुरुवार है](#)
- [आज शुक्रवार है](#)
- [आज शनिवार है](#)
- [आज रविवार है](#)
- [मेरा भोला है भंडारी](#)
- [ऐसा डमरू बजाया](#)
[भोलेनाथ](#)
- [लागी लगन शंकरा](#)
- [हर हर शंभू शिव](#)
- [नमो नमो जी शंकरा](#)
- [शिव समा रहे मुझमें](#)
- [शिव में मिलना है](#)
- [चलो बुलावा आया है](#)
- [महादेव के दीवाने](#)
- [तू महलों में रहने वाली](#)
- [भोलेनाथ की शादी](#)
- [होली खेले मसाने में](#)
- [गंगा किनारे चले जाना](#)
- [पार्वती बोली शंकर से](#)
- [शंभू तेरी माया](#)
- [जय हो भोले](#)

- [महाकाल की महाकाली](#)
- [सुबह सुबह ले शिव का](#)
- [शिव शंकर को जिसने](#)
- [शंकर मेरा प्यारा](#)
- [सब कुछ मिला रे भोले](#)
- [धुडु नचेया](#)
- [सब देव चले महादेव](#)
- [शिवजी बिहाने चले](#)
- [सज रहे भोले बाबा](#)
- [जय जय बाबा](#)
- [भोला मस्त मलंग](#)
- [भोला भांग तुम्हारी मैं](#)
- [एक दिन वह भोले](#)
- [हर हर महादेव शिवाय](#)
- [आग लगे चाहे बस्ती में](#)
- [बोलो हर हर महादेव](#)
- [मेरा शिव सन्यासी हो](#)
- [एक दिन मैया पार्वती](#)
- [मैं शिव का हूं शिव मेरे](#)
- [जाना पडेगा श्मशान है](#)
- [हे दुख भंजन मारुति](#)
- [राम न मिलेंगे हनुमान](#)
- [साईं राम साईं श्याम](#)
- [चलो बुलावा आया है](#)
- [मेरी मां के बराबर कोई](#)
- [लाल लाल चुनरी](#)
- [मां दूजा कोई द्वार ना](#)
- [बजाओ राधा नाम की](#)

- श्याम तेरी बंसी पुकारे
- राधे राधे जपो चले
- अरे द्वारपालों कन्हैया
- गोविंद बोलो हरि
- किशोरी कुछ ऐसा
- छोटी छोटी गईया छोटे
- मेरा आपकी कृपा से
- श्री कृष्ण गोविंद हरे
- कन्हैया कन्हैया पुकारा
- मेरे बांके बिहारी लाल
- ओ कान्हा अब तो
- कृष्ण है विस्तार यदि
- भर दे रे श्याम झोली
- मैं हूं शरण में तेरी